1000211 - A2

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए :* **5**

वह पावस का प्रथम दिवस जब,
पहली बूँद धरा पर आई।
अंकुर फूट पड़ा धरती से,
नव-जीवन की ले अँगड़ाई।

धरती के सूखे अधरों पर,
गिरी बूँद अमृत-सी आकर।
वसुन्धरा की रोमावली-सी,
हरी दूब पुलकी-मुसकाई।
पहली बूँद धरा पर आई।

आसमान में उड़ता सागर,
लगा बिजलियों के स्वर्णिम पर।
बजा नगाड़े जगा रहे हैं,
बादल धरती की तरुणाई।
पहली बूँद धरा पर आई।

(1) प्रस्तुत काव्यांश में किस ऋतु का वर्णन है? **1**

(क) गर्मी का (ख) वर्षा ऋतु का
(ग) सर्दी का (घ) शीत ऋतु का

(2) वर्षा की पहली बूँद की बीज पर क्या प्रतिक्रिया हुई? **1**

(क) बीज से अंकुर फूट पड़ा। (ख) बीज धरती में दब गए।
(ग) बीज सड़ गए। (घ) इनमें से कोई नहीं।

(3) 'आसमान में उड़ता सागर' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। **1**

(क) ज़मीन से आसमान तक सागर की लहरें उठ रही हैं।
(ख) सागर पंख लगाकर उड़ रहा है।
(ग) आसमान ने सागर को ऊपर बुला लिया है।
(घ) आसमान से घनघोर वर्षा हो रही है

(4) धरती की तरुणाई कौन जगा रहा है? **1**

(क) हरी दूब (ख) बादल
(ग) सागर (घ) अंकुर

(5) 'गिरी बूँद अमृत-सी आकर' में कौन सा अलंकार है? **1**

(क) रूपक (ख) उत्प्रेक्षा
(ग) उपमा (घ) यमक

2. *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए :* **5**

बहुत दिनों के बाद
अबकी मैंने जी भर देखी
पकी-सुनहली फसलों की मुस्कान
बहुत दिनों के बाद।
बहुत दिनों के बाद
अबकी मैं जी भर सुन पाया
धान कूटती किशोरियों की कोकिल कंठी तान
बहुत दिनों के बाद
बहुत दिनों के बाद
अब की मैंने जी भर सूँघे
मौलसिरी के ढेर-ढेर से ताजे टटके फूल
बहुत दिनों के बाद
बहुत दिनों के बाद
अब की मैं जी भर छू पाया
अपनी गँवई पगडंडी की चंदनवर्णी धूल
बहुत दिनों के बाद।

(1) बहुत दिनों के बाद कवि ने क्या देखा? **1**

(क) बच्चों की मुस्कान (ख) पैसा
(ग) सुनहरी फसल (घ) सुन्दर सपना

(2) कवि ने जी भरकर क्या सुना? **1**

(क) मधुर संगीत (ख) किशोरियों की कोकिल कंठी तान
(ग) घर में बच्चों का शोर (घ) पत्नी की मीठी झिड़की

(3) कवि ने किन-किन इन्द्रियों को तृप्त किया? **1**

(क) दृश्य इन्द्रिय (ख) श्रव्य इन्द्रिय
(ग) स्पर्श इन्द्रिय (घ) उपर्युक्त सभी

(4) फसल के लिए कवि ने किस विशेषण का प्रयोग किया है? **1**

(क) अधपकी (ख) कच्ची
(ग) पकी (घ) पकी सुनहली

(5) 'पकी सुनहली फसलों की मुस्कान' इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार बताइए : **1**

(क) रूपक (ख) उपमा
(ग) मानवीकरण (घ) श्लेष

3. *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर ध्यानपूर्वक नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए :* **5**

किसी भी समाचार पत्र का सर्वप्रथम उद्देश्य जनता को संसार के किस कोने में, कहाँ क्या हो रहा है? इसका सही ज्ञान कराना होना चाहिए। जो समाचार पत्र अपने किसी निश्चित संकुचित उद्देश्य की पूर्ति के लिए भ्रमात्मक बातों का प्रचार करके जनता को पथभ्रष्ट करते हैं, वे विश्वासघाती हैं। क्या ऐसे समाचार पत्र को देशद्रोही कहना अनुचित होगा? समाचार पत्रों को अपने बलिष्ठ व्यक्तित्त्व का अच्छी प्रकार से ज्ञान होना चाहिए। यह तो वे जानते ही हैं आज के युग में जनता के जीवन को बनाने-बिगाड़ने, उठाने-बैठाने एवं उभारने-दबाने में वे कितना बड़ा हाथ रखते हैं। न केवल राजनीतिक, सामाजिक दृष्टि में अपितु व्यापारिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी उद्देश्यों में भी। स्वयं राष्ट्र के जीवन में समाचार पत्रों का विशिष्ट स्थान है क्योंकि जनता और सरकार के बीच में समाचार पत्र ही तो दुभाषिए के रूप में हैं। वे सरकार की उचित-अनुचित कार्यवाहियों की आलोचना करके जनता वर्ग का पथ प्रशस्त करते हैं, जनता के मनोभावों का सही विश्लेषण उपस्थित कर सरकार को तदनुसार काम करने के लिए बाध्य करते हैं। समाचार पत्रों के द्वारा ही जनता की राजनीतिक शक्ति एवं चेतना में वृद्धि होती है।

समाचार-पत्र वरदान के साथ-साथ अभिशाप भी सिद्ध हो सकते हैं। समाचार पत्र अपनी किसी निश्चित संकुचित नीति के झोंके में आकर जाति-विशेष की साम्प्रदायिक भावनाओं को उभार कर रक्त की नदियाँ बहवा सकते हैं और इस प्रकार सारे देश के भाग्य को अपनी मुट्ठी में ले सकते हैं तथा देश की सुख-शान्ति एवं समृद्धि को दूर कर सकते हैं। दलबंदी को बढ़ावा देकर फूट के बीज बोकर अशान्ति एवं अमानवीय व्यवहारों को आमन्त्रित कर सकते हैं।

(1) समाचार पत्र का सबसे पहला उद्देश्य क्या है? **1**

(क) जनता का मनोरंजन करना।

(ख) विश्व के किस भाग में क्या घटित हो रहा है, जनता को इस बात की जानकारी देना।

(ग) जनता की राजनीतिक शक्ति को बढ़ावा देना।

(घ) जनता की साम्प्रदायिक भावनाओं को उभारना।

(2) समाचार-पत्र सरकार और जनता के बीच किस का कार्य करते हैं? **1**

(क) मित्र का

(ख) शत्रु का

(ग) दुभाषिए का

(घ) किसी का नहीं

(3) 'देशद्रोही' शब्द में कौन-सा समास है? **1**

(क) तत्पुरुष

(ख) बहुब्रीहि

(ग) द्वन्द्व

(घ) कर्मधारय

(4) जाति विशेष की साम्प्रदायिक भावनाओं को उभार कर समाचार पत्र देश का किस प्रकार अहित कर सकते हैं? **1**

(क) रक्त की नदियाँ बहवा सकते हैं।

(ख) देश के भाग्य को अपनी मुट्ठी में ले सकते हैं।

(ग) सुख-शान्ति एवं समृद्धि को दूर कर सकते हैं।

(घ) उपर्युक्त सभी।

(5) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है : **1**

(क) समाचार-पत्रों की भूमिका

(ख) समाचार-पत्रों के लाभ

(ग) समाचार-पत्रों से हानि

(घ) मानवता के रक्षक

4. ***निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प चुनकर लिखिए :*** **5**

हँसी भीतरी आनन्द का बाहरी चिह्न है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम-से-उत्तम वस्तु एकबार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी से अच्छी दवा एक बार खिलखिलाकर हँस उठना है। पुराने लोग कह गए हैं कि हँसो और पेट फुलाओं। हँसी कितने ही कला कौशलों से भली है। जितना ही अधिक आनन्द से हँसोगे उतना ही आयु बढ़ेगी। हँसी-खुशी ही का नाम जीवन है। जो रोते हैं, उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है- ''जिन्दगी जिंदादिली का नाम है, मुर्दादिल क्या ख़ाक जिया करते हैं।''

एक अंग्रेज डॉक्टर कहता है कि किसी नगर में दवाई लदे हुए बीस गधे ले जाने से एक हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है। डॉ. हस्फलैंड ने एक पुस्तक में आयु बढ़ाने का उपाय लिखा है। वह लिखता है कि हँसी पाचन के लिए बहुत उत्तम चीज़ है, इससे अच्छी औषधि और नहीं है। एक रोगी ही नहीं, सबके लिए बहुत काम की वस्तु है। हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संवाद देनेवाली है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन-शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती है और अधिक पसीना लाती है। हँसी एक शक्ति शाली दवा है। एक डॉक्टर कहता है कि वह जीवन की मीठी मदिरा है। कारलाइल एक राजकुमार था। संसार त्यागी हो गया था। वह कहता है कि जो जी से हँसता है, वह कभी बुरा नहीं होता।

(1) हँसी क्या है? **1**

(क) भीतरी दु:ख का बाहरी चिह्न

(ख) भीतरी आनन्द का बाहरी चिह्न

(ग) बाहरी आनन्द का भीतरी चिह्न

(घ) इनमें से कोई नहीं।

(2) हँसी के क्या-क्या लाभ बताए गए हैं? **1**

(क) शरीर को स्वस्थ रखती है।

(ख) मन को प्रसन्न रखती है।

(ग) पाचन-शक्ति को बढ़ाती है।

(घ) उपर्युक्त सभी।

(3) कारलाइल के अनुसार कैसा व्यक्ति बुरा नहीं होता? **1**

(क) मन ही मन हँसने वाला

(ख) कभी-कभी हँसने वाला

(ग) कभी न हँसने वाला

(घ) दिल से हँसने वाला

(4) मनुष्य की आयु कैसे बढ़ सकती है? **1**

(क) हँसने और प्रसन्न रहने से।

(ख) व्यायाम करने से।

(ग) पौष्टिक भोजन करने से।

(घ) रोने और दु:खी रहने से।

(5) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है : **1**

(क) हँसी-एक अभिशाप

(ख) हँसी-एक वरदान

(ग) हँसी-एक दवाई

(घ) हँसी-एक व्यायाम

खंड 'ख'

5. (क) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में अकर्मक क्रिया प्रयुक्त हुई है? सही विकल्प चुनकर लिखिए : **1**

(i) दुकानदार ग्राहक को फल देता है।

(ii) श्याम दौड़ता है।

(iii) बच्चों ने दौड़ लगाई।

(iv) माँ भोजन बनाती है।

(ख) 'मुझे घर जाने दो।' वाक्य में रेखांकित क्रियाओं का भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प चुनकर लिखिए : **1**

(i) अपूर्ण क्रिया

(ii) सकर्मक

(iii) द्विकर्मक

(iv) संयुक्त क्रिया

(ग) निम्नलिखित विकल्पों से सकर्मक क्रिया का सही विकल्प चुनकर लिखिए : **1**

(i) पीना

(ii) पी

(iii) पिलाना

(iv) पिलवाना

(घ) 'मदारी बंदर को नचा रहा है।' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया का भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प चुनकर लिखिए : **1**

(i) अकर्मक

(ii) एक कर्मक

(iii) सकर्मक

(iv) द्विकर्मक

6. (क) निम्नलिखित वाक्यों में से एक कर्मक क्रिया वाले वाक्य के सही विकल्प को चुनकर लिखिए : 1

(i) रमेश मिठाई खाता है।

(ii) सीता ने राधा को रुपये दिखाये।

(iii) साँप रेंगता है।

(iv) मोहन ने राधा को बात कही।

(ख) 'राजा ने अपराधी को दण्ड दिया।' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

(i) सकर्मक

(ii) द्विकर्मक

(iii) अकर्मक

(iv) एक कर्मक

(ग) 'मैं कभी-कभी गाना भी गा लिया करता हूँ।' वाक्य में प्रयुक्त मुख्य क्रिया निम्नलिखित विकल्पों से चुनकर लिखिए। 1

(i) गा

(ii) हूँ

(iii) लिया

(iv) करता

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में मुख्य क्रिया प्रयुक्त नहीं हुई है? सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

(i) वह जीवन भर ठोकरें खाता रहा।

(ii) मेरे घर के आस पास अनेक सुन्दर इमारते हैं।

(iii) प्यास के मारे जान निकल रही है।

(iv) मेरे सामने कोई बैठा है।

7. (क) 'मीना घर के अंदर चली गई'। इस वाक्य में रेखांकित क्रियाओं के भेद का सही विकल्प निम्नलिखित विकल्पों से चुनकर लिखिए : 1

(i) संयुक्त क्रिया

(ii) सहायक क्रिया

(iii) मुख्य क्रिया

(iv) अपूर्ण क्रिया

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में संयुक्त क्रिया प्रयुक्त नहीं हुई है? सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

(i) देखो! बाहर कौन खड़ा है?

(ii) राम कल दिल्ली जाएगा।

(iii) विभा कल दिन भर पढ़ती रही।

(iv) संतोष हर समय बोलती रहती है।

(ग) 'सचिन मामा के घर रहता है।' वाक्य में रेखांकित क्रिया का भेद निम्नलिखित विकल्पों से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

(i) मुख्य क्रिया

(ii) संयुक्त क्रिया

(iii) सहायक क्रिया

(iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(घ) निम्नलिखित वाक्य में किस वाक्य में सहायक क्रिया प्रयुक्त हुई है? सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1

(i) बच्चे ने कहानी सुनाई।

(ii) घर के अन्दर जाओ।

(iii) वह डर के मारे काँपने लगा।

(iv) रात को पेड़ के नीचे मत बैठो।

8. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त विशेषणों के भेद दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(क) इस फूल की खुशबू मनमोहक है। **1**

(i) गुण वाचक

(ii) परिमाण वाचक

(iii) संख्या वाचक

(iv) संकेत वाचक

(ख) उमा ने थोड़े-से चावल खाए।' **1**

(i) निश्चित परिमाण वाचक

(ii) निश्चित संख्या वाचक

(iii) अनिश्चित परिमाण वाचक

(iv) अनिश्चित संख्या वाचक

(ग) यह दीवार-घड़ी बहुत सुन्दर है। **1**

(i) गुण वाचक

(ii) संख्या वाचक

(iii) परिमाण वाचक

(iv) सार्वनामिक

(घ) उसने मुझसे दो किताबें ली। **1**

(i) सार्वनामिक

(ii) संख्या वाचक

(iii) गुण वाचक

(iv) परिमाण वाचक

9. निम्नलिखित वाक्यांशों में दिए गए रिक्त स्थानों को विकल्पों में दिए गए क्रिया-विशेषणों से सही विकल्प चुनकर भरिए। **1x4=4**

मैं ____(क)____ मेला देखकर आया हूँ। ____(ख)____ मैंने विभिन्न प्रकार की पुस्तकें देखीं। ___(ग)___ विदेशी प्रकाशकों की तो ___(घ)___ भारतीय पुस्तकें थीं।

(क) (i) अभी-अभी
(ii) बाज़ार में
(iii) अचानक
(iv) पिताजी के साथ

(ख) (i) मेले में
(ii) बाज़ार में
(iii) वहाँ
(iv) दुकान पर

(ग) (i) एक सड़क पर
(ii) एक गली में
(iii) मेले में
(iv) एक तरफ

(घ) (i) अनेक
(ii) बहुत
(iii) थोड़ी
(iv) दूसरी ओर

खंड 'ग'

10. निम्न प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : **2x5=10**

(क) लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनके बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं? **2**

(ख) मोह और प्रेम में अन्तर क्या है? बाल गोबिन भगत के जीवन के आधार पर स्पष्ट करें। **2**

(ग) सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? **2**

(घ) लेखक ने रेल में किस क्लास का टिकट खरीदा और क्यों? **2**

(ङ) जब तक हालदार साहब ने कैप्टन को साक्षात नहीं देखा था तब तक उनके मानस पटल पर उसका कौन-सा चित्र रहा होगा? अपनी कल्पना से लिखिए। **2**

11. हालदार साहब की आदत पड़ गई, हर बार कस्बे से गुजरते समय चौराहे पर रुकना, पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना। एक बार जब कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा तो पानवाले से पूछ लिया, क्यों भई! क्या बात है? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है?

पानवाला एक काला मोटा खुशमिज़ाज आदमी था। हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों ही आँखों में हँसा। उसकी तोंद थिरकी। पीछे घूमकर उसने दुकान के नीचे पान थूका और अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाकर बोला, कैप्टन चश्मेवाला करता है।

क्या करता है? हालदार साहब कुछ समझ नहीं पाए।

चश्मा चेंज कर देता है। पान वाले ने समझाया।

क्या मतलब ? क्यों कर देता है? हालदार साहब अब भी समझ नहीं पाए।

कोई गिराक आ गया समझो। उसको चौड़े चौखट चाहिए। तो कैप्टन किदर से लाएगा? तो उसको मूर्तिवाला दे दिया। उदर दूसरा बिठा दिया। अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आई। एक चश्मे वाला है जिसका नाम कैप्टन है। उसे नेताजी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी लगती है। बल्कि आहत करती है।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन कीजिए :

(i) मूर्ति का चश्मा हर बार कौन बदल देता था? **1**

(क) हालदार (ख) पानवाला

(ग) गाँव का कोई बच्चा (घ) कैप्टन चश्मे वाला

(ii) पान वाला कैसा आदमी था? **1**

(क) काला मोटा खुशमिज़ाज (ख) गुस्सैल

(ग) चिड़-चिड़ा (घ) पतला-दुबला सुन्दर

(iii) हालदार साहब को किस बात की आदत पड़ गई थी? **1**

(क) चौराहे पर रुकना (ख) पान खाना

(ग) मूर्ति को ध्यान से देखना (घ) तीनों की

(iv) चश्मे वाला नेताजी की मूर्ति पर चश्मा क्यों पहनाता था? **1**

(क) अपने विज्ञापन के लिए

(ख) देश भक्ति के कारण

(ग) नेताजी के प्रति सम्मान के कारण

(घ) (ख) और (ग) दोनों

(v) हालदार साहब का प्रश्न सुनकर पानवाला कैसे हँसा? **1**

(क) मन ही मन में

(ख) मुँह ही मुँह में

(ग) आँखों ही आँखों में

(घ) होठों ही होठों में

अथवा

बेटे को आँगन में एक चटाई पर लिटाकर एक सफेद कपड़े से ढाँक रखा है। कुछ फूल तो हमेशा रोपते रहते, उन फूलों में से कुछ तोड़कर उस पर बिखरा दिए हैं, फूल और तुलसी दल भी। सिरहाने एक चिराग रखा है। और, उसके सामने ज़मीन पर ही आसन जमाए गीत गाते चले जा रहे हैं! वही पुराना स्वर, वही पुरानी तल्लीनता। घर में पतोहू रो रही है जिसे गाँव की स्त्रियाँ चुप कराने की कोशिश कर रही हैं। किन्तु बालगोबिन भगत गाए जा रहे हैं। हाँ गाते गाते कभी-कभी पतोहू के नज़दीक भी जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते। आत्मा परमात्मा के पास चली गई, विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली, भला इससे बढ़कर आनंद की कौन बात? कभी-कभी सोचता, यह पागल तो नहीं हो गए। किन्तु नहीं वह जो कुछ कह रहे थे उसमें उनका विश्वास बोल रहा था।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन कीजिए :

(i) बेटे की मृत्यु पर उन्होंने पतोहू से क्या कहा? **1**

(क) रोने को

(ख) शोक मनाने को

(ग) उत्सव मनाने को

(घ) चुप रहने को

(ii) पुत्र की मृत्यु पर भगत क्या किए जा रहे थे? **1**

(क) रोए जा रहे थे।

(ख) गाए जा रहे थे।

(ग) शोक मना रहे थे।

(घ) खुश हो रहे थे

(iii) पुत्र की मृत्यु पर भगत आनन्द मनाने की बात क्यों करते हैं? **1**

(क) क्योंकि आत्मा परमात्मा से मिल गई।

(ख) क्योंकि पुत्र सुस्त और कम बुद्धि वाला था।

(ग) पुत्र कुछ काम नहीं करता था।

(घ) पुत्र पिता से लड़ता रहता था।

(iv) 'विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली' वाक्य से तात्पर्य है : **1**

(क) विरहिनी नायिका को उसका प्रेमी मिल गया।

(ख) पत्नी का खोया हुआ पति मिल गया।

(ग) जीवात्मा का परमात्मा से मिलन हो गया।

(घ) उपर्युक्त सभी।

(v) चरम विश्वास किस पर विजय प्राप्त कर लेता है? **1**

(क) - जीवन पर

(ख) - मृत्यु पर

(ग) - सुख पर

(घ) - दुःख पर

12. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : **5**

(i) आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में 'अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा क्यों कहता है? **2**

(ii) बादलों से सम्बन्धित कोई नाम न रखकर सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला ने कविता का शीर्षक 'उत्साह' क्यों रखा? **2**

(iii) कवि की आँख फागुन की शोभा से हट क्यों नहीं रही है? 'अट नहीं रही' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए। **1**

13. ***निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :*** **5**

फटिक सिलानि सौं सुधार्‌यौ सुधा मंदिर,
उदधि दधि को सो अधिकाई उमगे अमंद।
बाहर ते भीतर लौं भीति न दिखैए 'देव',
दूध को सो फेन फैल्यो आँगन फरसबंद।
तारा सी तरुनि तामें ठाढ़ी झिलमिली होति,
मोतिन की जोति मिल्यो मल्लिका को मकरंद।
आरसी से अंबर में आभा सी उजारी लगै,
प्यारी राधिका को प्रतिबिम्ब सो लगत चंद।।

(i) प्रस्तुत कविता में किसका वर्णन किया गया है? **1**

(ii) सुधा मंदिर क्या है? **1**

(iii) चन्द्रमा किसके समान लग रहा है? **1**

(iv) प्रस्तुत कविता किस छन्द में लिखी गई है? **1**

(v) अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण छाँट कर लिखिए। **1**

अथवा

ऊधौ, तुम हौ अति बडभागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति-नदी मैं पाऊँ न बौरयो, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।

(i) गोपियाँ किसे बडभागी कहती हैं और क्यों? **1**

(ii) 'अपरस रहत सनेह तगा तैं' का क्या आशय है? **1**

(iii) पुरइनि पात और तेल की गागर के उदाहरण क्यों दिए गए हैं? **1**

(iv) प्रीति नदी क्या है? इसमें किसने पैर नहीं डुबोए? **1**

(v) इस काव्यांश में किस भाषा का प्रयोग हुआ है? **1**

14. बच्चे माता-पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं? अपने जीवन से सम्बन्धित कोई घटना लिखिए जिसमें आपने अपने माता-पिता के प्रति प्रेम अभिव्यक्त किया हो। 5

अथवा

नाक मान-सम्मान व प्रतिष्ठा की द्योतक है। यह बात पूरी व्यंग्य रचना में किस तरह उभर कर आई है? लिखिए।

खंड 'घ'

15. आप वार्षिक परीक्षा दे चुके हैं। अपने पिताजी को पत्र लिखकर सूचित करें कि आपके प्रश्न-पत्र कैसे हुए? 5

अथवा

आपके मित्र का दाखिला एम.बी.बी.एस. (मेडिकल कॉलेज) में हो गया है। उसे पत्र लिखकर बधाई दीजिए।

16. ***नीचे दिए संकेत बिंदुओं के आधार पर निबन्ध लिखें :*** 5

आतंकवाद और मानवतावाद :

आतंकवाद का अर्थ ---------- विश्व में अनेक समस्याएँ ---------- सबसे ज्वलन्त समस्याओं में से एक ---------- मानव जाति के लिए खतरा ---------- आतंकवाद से निबटने के उपाय।

अथवा

मोबाइल फोन वरदान या अभिशाप :

परस्पर सम्पर्क का उत्तम साधन --------- मोबाइल फोन का अर्थ ---------- मोबाइल फोन के लाभ -------- हानियाँ ------ निष्कर्ष।

- o O o -